ANCHOR आइआइटी की एन्ट्स इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का समापन, देश-विदेश के एक्सपर्ट्स ने किया मंथन

मशीन लर्निंग से 5 मिनट में पता चलेगा फॉल्ट, अभी लगते हैं कई घंटे

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी) इंदौर की एडवांस्ड नेटवर्क्स एंड टेलिकम्यूनिकेशंस सिस्टम्स (एन्ट्स) पर हुई तीन दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का समापन बुधवार को हुआ। 'टुवर्ड्स हाइपर कनेक्टेड वर्ल्ड : इमर्जिंग ट्रेंड्स इन आइसीटी' थीम पर हुई कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश के इंडस्ट्री और एकेडमिक एक्सपर्ट्स ने 5जी सहित अन्य आधुनिक टेलीकम्यूनिकेशंस पर मंथन किया।

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया कम्प्यूटर साइंस प्रोफेसर विश्वनाथ मुखर्जी ने कहा, मशीन लर्निंग के जरिए नेटवर्क से जुड़े फॉल्ट को महज 5 मिनट में पता लगाया जा सकता है। इसके लिए अभी कई घंटे लगते हैं। सी-डॉट के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर विपिन त्यागी ने भारतीय डिजिटल युग के लिए चुनौतियों पर बात की। उन्होंने कहा, ग्रामीण भारत में कनेक्टिविटी सबसे बड़ी समस्या है। नेटवर्किंग क्षेत्र में हो रहे इनोवेशंस से इस तरह की चुनौतियों को पार पाया जा सकता है। इसमें सी-डॉट में भी बहुत काम हो रहा है। सेंटर फॉर डवलपमेंट ऑफ टेलीमेटिक्स (सी-डॉट) केंद्र सरकार का दूरसंचार प्रौद्योगिकी विकास केंद्र है। त्यागी ने कहा, सी-डॉट ने सैटेलाइट कम्यूनिकेशन सिस्टम भी विकसित किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में ब्राडबैंड कनेक्टिविटी के लिए इन टेक्नोलॉजी का विस्तार जरूरी है। इसके अलावा कॉन्फ्रेंस में 5जी और भविष्य की वायरलैस टेक्नोलॉजी (5जी-एफडब्ल्यूटी) पर भी चर्चा की गई।